तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 17.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 6 अप्रैल 2025

8 दुर्गा अष्टमी पर पूजा-अर्चना के लिए कंजकों....

8 योग रोगों को दूर भगाने का सुलभ साधन

शिक्षा - संस्कार - सुरक्षा - सफलता
WOODSTOCK PUBLIC SCHOOL JIND
ADMISSION OPEN
Nur. to XII (Art/Commerce/Science)
Focus on Practicals
Strong Dedicated Teachers Team
Door to Door Transport
Indoor & Outdoor Sports
GOHANA ROAD ASHRAFGARH JIND Contact: 9896561677, 8053011129

N N Sharma
Director

Sukeerti Sharma
Principal

खबर संक्षेप

घर में घुस कर मारपीट करने पर चार नामजद

जींद। गांव हाट में घर में घुस कर महिला व उसके परिजनों के साथ मारपीट करने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव हाट निवासी संजू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि ससुरालीजनों की मारपीट के चलते वह अपने चाचा सुनील के घर चली गई थी।

नशा तस्करी का आरोपी हैड कांस्टेबल सस्पेंड

कैथल। सीवन थाना में कार्यरत हैड कांस्टेबल प्रदीप को हिमाचल पुलिस ने चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। इसके बारे में सीवन थाना प्रभारी कुलदीप देशवाल ने बताया कि हैड कांस्टेबल प्रदीप सीवन थाना में ड्युटी पर था। 1 अप्रैल को गिनती में गैर हाजिर था। बाद से वह गैरहाजिर चल रहा था। हिमाचल पुलिस से उन्हें प्रदीप की गिरफ्तारी के बारे में सूचना मिली थी।

चौकीदार से मारपीट कर मोबाइल छीना, केस दर्ज

जींद। सफीदों हुडा सैक्टर में बीती रात चोरों ने चौकीदार के साथ मारपीट कर फोन छीन लिया और फरार हो गए। शहर थाना सफीदों पुलिस ने घायल चौकीदार की शिकायत पर तीन अज्ञात बाइक सवार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सफीदों के वार्ड एक निवासी सुरेश ने बताया कि वह हुडा सैक्टर में नाइट चौकीदार है।

विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन आज

पूंडरी। भाजपा महिला मोर्चा की जिला सचिव निधि मोहन नें बताया की हलका विधायक सतपाल जांबा एवं भारत विकास परिषद शाखा फतेहपुर पूंडरी के सौजन्य से एक विशाल रक्तदान शिविर 6 अप्रैल दिन रविवार सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2: 00 बजे तक विधायक कार्यालय, करनाल रोड पूंडरी पर लगाया जाएगा।

मां दुर्गा का अष्टमी का त्योहार हर्ष से मनाया

नरवाना। शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयों पर पहुंचाने के उद्देश्य से बने पैलेडियम जूनियर स्कूल में नवरात्रों की मां दुर्गा का अष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। अवसर पर हिसार से आई शाखा की प्रमुख नंदिता व उनके स्टाफ सदस्यों ने स्कूल का मासिक भ्रमण किया। नरवाना शाखा की ब्रांच प्रमुख तनु ने स्वागत फूल मालाओं के साथ किया व स्कूल के बच्चों के साथ मां दुर्गा अष्टमी का त्योहार मनाया।

ड्राइविंग संचालक ने की युवती से छेड़छाड़, केस

कैथल। ड्राइविंग स्कूल में ड्राइविंग सीखने के लिए जाने वाली युवती ने स्कूल के मालिक पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। इस मामले में महिला थाना की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी 22 वर्षीय युवती ने शिकायत में बताया कि कुछ दिन पहले ड्राइविंग इंस्टट्यूट में कार सीखने के लिए एडमिशन करवाया था।

विशाल मां भगवती की चौंकी और भंडारा आज

कैथल। मां बनभोरी के लाडले सेवा समिति कैथल द्वारा नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में महाराजा अग्रसेन धर्मशाला, जखोली अड्डा, कैथल में 6 अप्रैल साय 7 बजे मां भगवती की चौंकी और भंडारे का आयोजन होगा। शहरवासियों को इस पावन अवसर पर शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

दीवार पर लिख कर मंसूबे किए साफ, दो नाम लिखे, अब उनकी बारी

नवरात्र में पति बना पत्नी का काल कर दी निर्मम हत्या, परिवार बर्बाद

पुलिस टीमें कर रही आरोपित के संभावित ठिकानों पर छापेमारी

शाम को माफी मांग लाया था पत्नी को, तीन लड़कियों सहित चार बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कहते हैं कि शक पत्थर को भी पाड़ देता है। ऐसा ही कुछ नरवाना की इंदिरा कालोनी में देखने को मिला। जहा पर रात को पति ने चरित्र संदेह के चलते अपनी पत्नी की चटनी कुटने वाली पत्थर की कुंडी से सोते समय सिर मे वार कर निर्मम हत्या कर दी। वह भी उसी दौरान जब पूरी दुनिया नवरात्रे रख कर कर शक्ति मां दुर्गा के स्वरूपों की पूजा अर्चना कर रही है। लोमहर्षक घटना ने पूरे इलाके को हिलाने के साथ हंसते खेलते परिवार को बर्बादी पर धकेल दिया। आरोपित की जिंदगी जेल मे सलाखों के पीछे बीतेगी। जबकि उनके चार मासूम बच्चे भविष्य को भी घटना ने दोराहे पर खडा कर दिया है। मूलतः चंदा नगर भूना निवासी सूरज अपनी पत्नी नेहा 28 तथा चार बच्चों के साथ नरवाना की इंदिरा कालोनी में किराये के मकान मे रह रहा था। सूरज राजमिस्त्री का कार्य करता है। जबकि उसकी पत्नी नेहा नरवाना के निजी स्कूल मे स्वीपर की काम करती थी। सूरज को अपनी पत्नी नेहा के चरित्र पर संदेह था। जिसके चलते दोनों के बीच कहासूनी भी होती थी। आरोपित सूरज पत्नी के उसके स्कूल में काम करने वाले दो कर्मियों के साथ सबध होने का सदेह करता था। उसी संदेह के चलते आरोपित ने रात को अपनी पत्नी नेहा की निर्मम हत्या कर दी और फरार हो गया। चरित्र संदेह को लेकर आरोपित सूरज तथा उसकी पत्नी नेहा के बीच कहासुनी हुई थी। जिसके चलते नेहा पांच दिन पहले रूठ कर अपनी बड़ी बहन रिकी के पास पूजा कालोनी गाजियाबाद चली गई थी। आरोपित शुक्रवार को ससुरालीजनों से माफी मांग कर नेहा को शाम को लेकर अपने किराए के मकान में पहुंचा था। घटना स्थल से साफ है कि मध्यरात्री को घटना को अंजाम दिया गया। घटना के दौरान नेहा गहरी नींद मे चारपाई पर सोई हुई थी। जिसके चलते वह विरोध नही कर पाई और आरोपित ने मृतका के सिर में पत्थर की कुंडी से एक ही स्थान पर कई वार किए और उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान उनके चारों बच्चे दूसरे कमरे थे। वारदात को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गया। नेहा की हत्या के बाद आरोपित ने उसी स्कूल के दो कर्मियों के नाम तथा उनकी बारी लिख कर अपने मंसूबे भी साफ झलाका दिए हैं। जिसमे उसकी पत्नी काम करती थी। आरोपित को उन्हीं कर्मियों पर उसकी पत्नी के साथ संबंधों का संदेह था। माफी मांग कर पत्नी को उसके मायके से लाना फिर उसकी रात को निर्ममता से हत्या करना और मृतका के सहयोगी कर्मियों को उनकी बारी के बारे मे लिखना साफ करता है कि आरोपित चरित्र संदेह मे सनकी बन गया और अपने अंजाम तथा बच्चों के भविष्य से बेपरवाह होकर परिवार को बर्बादी के दोराहे पर खड़ा कर दिया।

जींद। घटना के बारे में जानकारी देते मतका की बहन रिंकी। फोटो :हरिभूमि

जींद। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

आरोपित शुरु से ही करता था संदेह

मृतका की बहन रिंकी ने बताया कि उसकी छोटी बहन नेहा की शादी 11 साल पहले सूरज के साथ हुई थी। शादी के बाद से नेहा के चरित्र पर संदेह करता था। नेहा ने तीन लड़कियों तथा एक लड़के को जन्म दिया लेकिन सूरज पत्नी पर संदेह करता रहा। जिसके चलते वह भूना को भी छोड़ आया था। नरवाना आने के बाद नेहा के स्कूल के कर्मियों से सबध होने का संदेह करने लगा। समझाया भी गया लेकिन वह बात उसके दिमाग से नही निकली। शुक्रवार शाम को सूरज उसकी बहन उनके घर से माफी मांग कर लाया था। जो उसकी योजना का हिस्सा थी। फिर रात को घटना को अजाम दे दिया। शहर थाना नरवाना प्रभारी जगदीश ने बताया कि आरोपित पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिन दहाड़े दवा की दुकान से हजारों की नकदी चुराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित कैलाश मेडिकोज में दिन दहाड़े चोरी का मामला सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर दुकानदार को यह जानकारी मिली। घटना के समय केमिस्ट अनुज मेडिकल स्टोर में अकेला था। जैसे ही वह लघुशंका के लिए बाहर गया तो एक शातिर चोर ने दुकान में प्रवेश कर कैश बॉक्स में रखी नकद राशि चुरा ली और मौके से फरार हो गया। अनुज को 2 अप्रैल को हुई चोरी का संज्ञान तब हुआ जब वह दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहा था। फुटेज में एक संदिग्ध युवक को कैश बॉक्स से पैसे निकालते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। हैरानी का विषय है कि इस मामले पर संबंधित पुलिस जांच अधिकारी अविलंब शिकायत पर कार्यवाही करने की बजाए शिकायतकर्ता को इधर-उधर घूमाते रहे। कभी वे शिकायत को लिखने वाले का नाम पूछ रहे थे तो कभी दूसरे अजीबोगरीब सवाल कर रहे थे। इस दौरान शिकायतकर्ता ने जब थाना प्रभारी से मिलने का प्रयास किया तो मौजूद कर्मी उसे गुमराह करते रहे। शायद वे नहीं चाहते थे कि थाना प्रभारी इस मामले में कार्यवाही के निर्देश उन्हें दें। बाद कहीं जाकर पुलिस जांच अधिकारी प्रदीप कुमार ने शिकायतकर्ता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही का भरोसा दिलाया। दीगर है कि पूर्व में भी रेलवे रोड क्षेत्र में इस प्रकार की कई छोटी-मोटी चोरी की घटनाएं दिन के समय सामने आ चुकी हैं। हाल ही में एक अस्पताल में रिसेप्शन पर रखें मुढाढ गौशाला के दान पात्र को चोरों ने निशाना बनाकर उसमें रखी नकदी समेत पूरा गला ही उड़ा लिया था।

कलायत में सीसीटीवी फुटेज में कैद चोरी का आरोपी।

जांच जारी

पुलिस जांच अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि विभागीय संगीन मामले की जांच के लिए बाहर है कि शीघ्र ही चोरी की सीसीटीवी फुटेज लेकर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

उचाना रेलवे स्टेशन से 4.400 किलो ग्राम डोडा पोस्त बरामद

जींद। रेलवे पुलिस ने उचाना रेलवे स्टेशन पर बैंच के नीचे रखे लावारिस बैग से चार किलो 400 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे थाना पुलिस कर्मी उचाना रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उनकी नजर प्लेटफार्म नंबर एक पर बैंच के नीचे एक चैन वाले वजनी बैग दिखाई दिया। बैग के मालिक के बारे में पूछताछ करने पर कोई सामने नही आया। पुलिसकर्मियों ने जब बैग को खोल कर देखा तो उसमें डोडा पोस्त भरा पाया गया। जिसका वजन चार किलो 400 ग्राम पाया गया। रेलवे थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे थाना के जांच अधिकारी कपिल ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

गेहूं सीजन में आगजनी से बचाव के लिए पूंडरी ढांड पाई में दमकल गाड़ियों की 24 घंटे व्यवस्था : जांबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कृषि सीजन में आगजनी की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पूंडरी हलके के विधायक सतपाल जांबा के विशेष प्रयासों से पूंडरी शहर के साथ-साथ गांव ढांड और पाई में फायर ब्रिगेड (दमकल) की गाड़ियों की 24 घंटे तैनाती सुनिश्चित की गई है। निर्णय से न किसानों को राहत मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में आग से होने वाले जानमाल के नुकसान को भी रोका जा सकेगा। विधायक जांबा ने बताया कि गेहूं की कटाई और मढ़ाई के समय खेतों में आग लगने की घटनाएं आम होती हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे में दमकल सेवाओं की उपलब्धता बेहद जरूरी है। सरकार की जनहितकारी नीतियों को आम जनता तक पहुंचाना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने सभी किसानों और ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति या आग लगने की घटना में बिना देरी किए तुरंत संबंधित फायर स्टेशन या आपातकालीन नंबर पर संपर्क करें, ताकि समय रहते आग पर काबू पाया जा सके।

सावधानी बरतने की अपील

विधायक जांबा ने लोगों से सावधानी बरतने और खेतों में आग से बचाव के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की भी अपील की है, ताकि इस सीजन को सुरक्षित और नुकसानरहित बनाया जा सके।

संपर्क नंबर

फायर स्टेशन - पूंडरी
फोन नं+91 70826 43101
फायर स्टेशन - कैथल
फोन नं 01746 224211
आपातकालीन सेवा नंबर (112)

रिश्वत लेने का आरोपी गुहला थाना प्रभारी भेजा जेल

- मारपीट का मामला रद करने की एवज में रिश्वत लेते काबू किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल में रिश्वत के मामले में गुहला थाना एसएचओ को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने दोपहर के समय कोर्ट में पेश किया। इससे पूर्व एसएचओ से प्रारंभिक पूछताछ की गई। अब एसएचओ को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एसीबी कैथल इंस्पेक्टर सूबे सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए आरोपी थाना प्रभारी के दस्तावेज ले लिए हैं।

उन दस्तावेजों के आधार पर मामले की आगामी जांच की जाएगी। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। बता दें कि शुक्रवार की शाम गुहला के थाना प्रभारी रामपाल को मारपीट का मामला रद्द करने की एवज में 30 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ काबू किया था। टीम ने उसके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि थाना प्रभारी इस केस में 20 हजार की राशि पहले ही ले चुका था। इस संबंध में एसीबी को चीका के शिकायतकर्ता ओमप्रकाश ने शिकायत दी थी कि उसके खिलाफ एक मारपीट का मामला दर्ज करवाया गया था।

मामले को रद्द करने को लेकर गुहला के थाना प्रभारी रामपाल द्वारा उससे 50 हजार की मांग की। उसने बताया कि वह थाना प्रभारी को इससे पूर्व 20 हजार की राशि दे चुका है। इसके बाद आरोपी ने 30 हजार और देने की मांग की। एंटी करप्शन ब्यूरो के इंचार्ज सूबे सिंह सैनी ने बताया कि आरोपी थाना प्रभारी को रंगेहाथ काबू करने के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता वरूण कंसल को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करते हुए रेडिंग पार्टी का गठन किया गया। जैसे ही शुक्रवार शाम शिकायतकर्ता ओमप्रकाश ने आरोपी थाना प्रभारी रामपाल को रिश्वत की 30 हजार की राशि दी तो इशारा पाते ही एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने थाना प्रभारी को काबू कर लिया। टीम द्वारा उसके कब्जे से रिश्वत की 30 हजार की राशि भी बरामद की है। इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

लगातार पैसे की मांग कर रहे थे

पुलिस चोर पर कार्रवाई करने की बजाय उल्टा उसे ही पकड़ने की बात कहने लगी। यह भी कहा गया कि चोर की शिकायत पर उसके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट का केस दर्ज किया जाएगा। इस एवज में पुलिस के अधिकारी उससे 1 लाख रुपए ले गए। जिस एसएचओ को पकड़ा गया है वह उस समय उसके मामले में जांच अधिकारी था। वे लगातार उससे पैसे की मांग कर रहे थे।

फार्म छह भरे बिना बढ़ाई फीस तो शिक्षा विभाग करेगा कार्रवाई

निजी स्कूल संचालक मनमर्जी से बढ़ा रहे फीस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शिक्षा निदेशालय ने अभीतक निजी स्कूलों के लिए फार्म छह को लेकर निर्देश जारी नही किए हैं बावजूद इसके निजी स्कूल अपनी मर्जी से फीस में वृद्धि कर रहे हैं। फार्म छह के लिए हर वर्ष आवेदन 31 दिसंबर तक लिए जाते थे। इस बार यह आवेदन अभी तक नहीं मांगे गए हैं। निजी स्कूलों द्वारा फीस बढाए जाने से अभिभावकों की जेब ढीली हो रही है। जिलेभर में लगभग 380 निजी स्कूल हैं। अभिभावकों को मजबूरन निजी स्कूलों को महंगी फीस अदा करनी पड़ रही है। इस बार विभागीय स्तर पर कोई निर्देश जारी नहीं हुए। गौरतलब है कि निजी स्कूल हर वर्ष फीस बढ़ाते हैं। फीस बढ़ाने के लिए निजी स्कूलों को शिक्षा विभाग की ओर से जारी किया जाने वाले फार्म छह ऑनलाइन भरना होता है।

अगर कोई स्कूल फार्म छह नहीं भरता और वह नए सत्र में फीस बढ़ाता है तो उस पर विभाग कार्रवाई कर सकता है। ऐसे में हर वर्ष विभाग की ओर से फार्म छह के तहत ऑनलाइन आवेदन मांगे जाते हैं। इसमें स्कूलों को फीस बढ़ाने संबंधित ब्यौरा देना होता है कि वह अपनी स्कूल में फीस क्यों बढ़ाएंगे और विद्यार्थियों को क्या सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही स्कूल स्टाफ से लेकर सुविधाओं व वेतन संबंधित ब्यौरा भी भरना होता है। शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले फार्म छह ऑनलाइन शिक्षा विभाग की ओर से निकाला जाता था। इस फॉर्म को सत्र शुरू होने से पहले भरना जरूरी होता था लेकिन इस बार शिक्षा विभाग ने फार्म छह को लेकर कोई निर्देश जारी नहीं किए हैं लेकिन निजी स्कूलों ने फीस में वृद्धि की हैए जिससे अभिभावकों की जेब ढीली हो रही है।

फार्म छह भरना अनिवार्य

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने बताया कि फार्म छह में स्कूल संचालकों को निदेशालय को जानकारी देनी होती है कि वे फीस क्यों बढ़ा रहे हैं और विद्यार्थियों को क्या-क्या सुविधाएं दी जाएंगी। फार्म छह के बिना निजी स्कूल संचालक फीस बढ़ोतरी नहीं कर सकते। फार्म छह के आधार पर ही निजी स्कूल संचालक नए सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ा सकते हैं। हर साल विभाग की ओर से निजी स्कूल संचालकों से फार्म छह भरवाए जाते हैं।

कलायत। सरकारी स्कूलों में मिड डे मिल भंडारण व बर्तनों की जांच करते अधिकारी।

पेयजल सहित सभी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश

कलायत। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के साथ-साथ पोषण को लेकर प्रदेश सरकार संजीदा नजर आ रही है। इसके तहत पीएम पोषण स्कीम टीम में शामिल खाद्य सुरक्षा विभाग अधिकारियों ने कई सरकारी स्कूलों में दोपहर के भोजन के लिए रखी गई सामग्री की जांच की। टीम की रहनुमाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी डा.पवन चहल कर रहे थे। टीम द्वारा निर्धारित रूप रेखा अनुसार मटौर रोड स्थित राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, माध्यमिक स्कूल व प्राथमिक पाठशाला में मिड-डे मील की गुणवत्ता को परखा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रसोई, गैस कनेक्शन, खाद्य सामग्री रखरखाव, भोजन मैन्यू व्यवस्था, भोजन परोसने के बर्तन और संबंधित अन्य व्यवस्था की जांच की। डा.पवन चहल ने बताया कि निरीक्षण कार्यवाही के दौरान स्कूलों में निर्धारित स्थान पर कूड़ादान, वॉशिंग एरिया, खाद्य सामग्री रखरखाव, पेयजल व अन्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। मौजूदा स्थिति की रिपोर्ट शीर्ष अधिकारियों को भेजी जाएगी।

खबर संक्षेप

आज मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

जींद। डा. बीआर अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी जींद द्वारा रविदास धर्मशाला सफीदों रोड में प्रधान राजेश पहलवान की अध्यक्षता में अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। अंबेडकर जयंती में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों का व्याख्यान किया जाएगा। प्रधान राजेश पहलवान ने बताया कि अंबेडकर जयंती के शुभ अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और विशिष्ट अतिथि सांसद सोनीपत सतपाल ब्रह्मचारी शिरकत करेंगे।

खेत से दो मोटर चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव धरौदी में बीती रात चोरों ने खेत से दो बिजली मोटरों को चोरी कर लिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के अधार पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धरौदी निवासी राममेहर ने बताया कि बीती रात चोरों ने दो बिजली मोटरों व केबल को चोरी कर लिया।

मंदिर से युवती संदिग्ध हालात में लापता, केस

जींद। गांव गांगोली मंदिर से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव गांगोली निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह परिवार के साथ मंदिर में पूजा अर्चना करने गया हुआ था। जहां से उसकी बेटी गायब हो गई।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव लोधर से कालेज के लिए निकली युवती के गायब होने पर उचाना थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव लोधर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन घर से उचाना कालेज के लिए निकली थी। जिसके बाद वह घर वापस नही लौटी। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बहन का कोई सुराग नही लगा।

गैराज से स्पेयर पार्टस चोरी, मामला दर्ज

जींद। सफीदों रोड पर बीती रात चोरों सीएनजी गैराज से स्कैनर, पार्टस समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सरड़ा निवासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी सफीदों रोड पर सीएनजी गैराज है। बीती रात चोर दिवार फांद कर गैराज में घुस गया और स्कैनर, रॉड और स्पेयर पार्टस को चोरी कर लिया।

विनय बने एमेच्योर डांस स्पोर्ट्स एसो.के महासचिव

जींद। कृष्णा कालोनी निवासी डांस मास्टर विनय दहिया को एमेच्योर डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन जींद का महासचिव नियुक्त किया गया। उनकी यह नियुक्ति एसोसिएशन के महासचिव राजेश शर्मा ने की है। उनकी इस नियुक्ति पर विभिन्न संस्थाओं ने खुशी जताई है। जींद विकास संगठन के अध्यक्ष एवं राजकुमार गोयल द्वारा उन्हें पटका पहना कर बधाई दी गई।

उचाना पहुंचे कांग्रेस सांसद जयप्रकाश

जींद। कांग्रेस हिसार लोकसभा सांसद जयप्रकाश दिलबाग श्योकंद के यहां आयोजित समारोह में पहुंचे। कार्यकर्ताओं से भी इस दौरान वो रूबरू हुए। जयप्रकाश ने कहा भाजपा सरकार हर मोर्चा पर विफल साबित हो रही है। गेहूं का सीजन शुरू हो चुका है लेकिन अभी तक प्रबंध पुख्ता नहीं है। युवाओं को नौकरी देने का वायदा करने वाली सरकार युवाओं को नौकरी से हटाने का काम कर रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 10 मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायिक परिसर जींद व उपमंडल स्तर पर नरवाना व सफीदों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। सीजेएम मोनिका ने बताया कि आपसी समझौते से हब हो सकने वाले केसों में अदालत काफी कारगर सिद्ध हो रही है।

श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन करवाकर व्रत समाप्त किए

दुर्गा अष्टमी पर पूजा-अर्चना के लिए कंजकों को लाने के लिए घर-घर घूमते नजर आए श्रद्धालु

कंजकों को अपने घर में श्रद्धालुओं ने खिलाया प्रसाद, उपहार भी दिए

कन्याओं को एकत्रित करने के लिए श्रद्धालुओं को भारी मशक्कत करनी पड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर शनिवार सुबह श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन कराया तथा पूजा अर्चना कर व्रत समाप्त किए। घर में कन्या पूजन के लिए श्रद्धालुओं को गली-गली घूमते हुए देखा गया। कन्याओं को एकत्रित करने के लिए श्रद्धालुओं को भारी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं शहर के विभिन्न मंदिरों में कन्याओं को सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। मान्यता है कि नवरात्र की अष्टमी पर कन्याओं को भोजन कराने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों की मन्नतें पूरी करती हैं। यह भी मान्यता है कि जब तक कन्याओं को भोजन न कराया जाए तब तक व्रत सफल नहीं होता। इसी मान्यता के चलते मंगलवार को सुबह श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों पर कन्याओं को भोजन कराया तथा अन्न प्रसाद के रूप में ग्रहण करके व्रत समाप्त किया। श्रद्धालु मंगलवार सुबह जहां कन्याओं को शीघ्र भोजन करा व्रत समाप्त कर अन्न ग्रहण करने को उतावले दिखे वहीं कन्याओं को ढूंढने के लिए जगह-जगह गलियों में घूमते हुए देखा गया। कुछ लोगों को तो भोजन कराने के लिए कन्याएं न मिलने पर मंदिरों में सामूहिक रूप से भोजन करा कर काम चलाया। वहीं कुछ कन्याओं ने कई-कई घरों में भोजन किया। नवरात्र में व्रत रखने वाले श्रद्धालु दुर्गा अष्टमी पर पूजा-अर्चना के लिए कंजकों को लाने के लिए घर-घर घूमते नजर आए। दुर्गा अष्टमी पर व्रत रखने वाले माता के श्रद्धालु कन्याओं को भोज करवाते है। कन्याओं को भोज करवाने के बाद ही व्रत पूरे माने जाते है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु सुबह लड़कियों को ले जाने के लिए घर-घर पहुंच गए थे। सुबह होते ही श्रद्धालु बाइक सहित अन्य साधन लेकर अपने यहां लड़कियों को लेकर गए और उन्हें भोज करवाया व व्रत को पूरा किया।

जींद। कन्याओं को भोजन करवा व्रत समाप्त करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जींद। नवरात्र अष्टमी पर मां जयंती देवी मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

लड़कियों को भोज करवाना जरूरी

व्रत रखने वाली प्रीति, खुशी, वैशाली ने बताया कि एक लड़की ने कई-कई जगह पर भोज किया। उनके यहां व्रत पूरा करने के लिए लड़कियों को भोज करवाना था। कई-कई घरों में जाकर लड़कियों को भोज के लिए लाना पड़ा। बिना लड़कियों को भोज करवाए व्रत पूरा नहीं होता है।

श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

उचाना में दुर्गा अष्टमी पर घरों में श्रद्धालुओं द्वारा माता की पूजा-अर्चना की। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने हलवा, पूरी का प्रसाद बना कर कंजकों को भोजन करवाया। सुबह ही घरों में कंजकों को भोजन करवाने के लिए महिलाएं एक-दूसरे घर के बाहर खड़े होकर कंजकों का इंतजार कर रही थी। दुर्गा अष्टमी होने के चलते स्कूलों का समय भी सुबह दस बजे किया गया था। देवभूमि माता भ्रामरी धाम पुजारी सुशील कौशिक ने कहा कि नवरात्र में देश के कौने-कौने से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु माता की पूजा, अर्चना के लिए पहुंचे। पूरे नवरात्र धाम पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी माता की पूजा.अर्चना में न हो इसको लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। मंदिर परिसर में सीसीटीवी लगाए गए ताकि हर गतिविधि पर नजर कंट्रोल रूम से हो। नवरात्र अष्टमी पर प्रवचन में उचाना मंडी के प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर पुजारी भारतेंदू शांडिल्य ने कहा कि दुनिया में केवल शक्ति सम्पन्न होने मात्र से ही कोई भी पूज्यनीय और वन्दनीय नहीं बन जाता है।

शहर में निकाली भव्य सम्मान यात्रा

- राष्ट्रीय खेलों में जीत कर आए विद्यार्थियों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राष्ट्रीय खेलों में जीत कर आए छात्र का डीएवी पब्लिक स्कूल में विजय जुलूस निकाल कर स्वागत किया गया। जुलूस में राष्ट्रीय खेलों और खेलो इंडिया में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दर्जनों छात्रों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर पर भारत का चीन में प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का विजय जुलूस निकाला गया। विजय जुलूस में स्कूल के 105 छात्रों ने भाग लिया। इन छात्रों ने राज्य तथा राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर जींद जिले का नाम रोशन किया। प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने बताया कि तलवारबाजी में इस वर्ष दो दर्जन छात्रों ने पदक प्राप्त किए हैं। वहीं तैराकी, फुटबॉल, योग में राष्ट्रीय खेलों में पदक जीत कर आए छात्रों का स्वागत किया। स्वागत जुलूस को ब्रिगेडियर अशोक कुमार अदलखा ने हरी झंडी दिखा कर डीएवी स्कूल अर्बन स्टेट से रवाना किया। यह विजय रथ यात्रा अर्बन एस्टेट, सफीदों गेट, रानी तालाब, रुपया चौक, शिव चौक, पटियाला चौक से होते सेक्टर 7, 8, 9 में होते हुआ डीएवी स्कूल में वापस आया। जहां सब ने नाच गा कर सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया।

जींद। विजय जुलूस का स्वागत करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सफीदों। बैठक में मौजूद संस्था के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

आज निकाली जाएगी भव्य शोभायात्रा

सफीदों। श्री सालासर सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा रामनवमी पर आज होने वाली भव्य शोभा यात्रा के तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन राधे-कृष्ण मंदिर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष सूरज कुमार ने की। बैठक में आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया तथा कार्यकत्ताओं की ड्यूटियां लगाई गईं। संस्था के अध्यक्ष सूरज कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि विधायक रामकुमार गौतम, पूर्व विधायक कलीराम पटवारी और नगरपालिका प्रधान प्रतिनिधि संजय अदलखा (बिट्टा) शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि रविवार को यह शोभायात्रा सायं 5 बजे प्रारंभ होगी। यात्रा को अतिथिगण ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे। यह यात्रा नगर के विभिन्न बाजारों में से होकर निकलेगी और यात्रा का अनेक स्थानों पर भव्य स्वागत होगा।

पीएम ने जनता के सपनों को किया पूरा : डा. मिड्ढा

जींद। सर्व जातीय दाडवा खाप चबूतरा पालवां पर 20 अप्रैल को आयोजित संत शिरोमणी धन्ना भगत की जयंती पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम को लेकर बैठक हुई। मुख्यअतिथि के तौर पर कार्यक्रम में सीएम नायब सिंह सैनी पहुंचेंगे। बैठक की अध्यक्षता दाडवा खाप प्रधान सूरजभान घसो ने की। मुख्य रूप से डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर मीटिंग में पहुंचे लोगों से सुझाव मांगे गए। डा. मिड्ढा ने कहा कि कांग्रेस के पास आज बोलने के लिए कुछ बचा नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की सभी समस्याओं को हल निकालने का काम किया है। राम मंदिर को लेकर धारा 370 को लेकर जो-जो मुद्दे थे सभी मुद्दों को समाप्त करने का काम किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के सपनों को पूरा करने का काम किया है।

मां को पुकारो अबोध शिशु बनकर : आचार्य

जींद। मां को पुकारो अबोध शिशु बनकरए मां को आना ही होगा, उन्हें हमें अपने आंचल में छिपाना ही होगा। यह बात आचार्य पवन शर्मा ने माता वैष्णवी धाम में आयोजित नवार्ण महायज्ञ पर श्रद्धालुओं के समक्ष अपने प्रवचन में कही। आचार्य पवन शर्मा ने कहा कि बच्चा यदि खिलौनों में लगा रहे तो मां निश्चिंत होकर अपना घर का काम समेटती रहती है। किंतु बच्चा यदि उन खिलौनों को पटक कर एकमात्र मां के लिए व्याकुल होकर रोने लगे, केवल मां-मां पुकारे और किसी बात को सुनना ही ना चाहे तब मां भी अपना सब काम छोड़ दौड़ी चली आती है और उसके आंसू पौंछकर उसे तुरन्त अपने आंचल में छिपा लेती है। हां बच्चा जब खिलौनों से खेल भी रहा हो और झूठमूठ का रोने का नाटक भी कर रहा हो तब मां उसे गोद में नहीं लेती। ठीक यही बात जगतजननी मां भवानी की भी है।

जींद। बच्चों को पाठ्यसामग्री वितरित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

96 लोगों ने मेडिकल चेकअप करवाया

जींद। गोहाना रोड स्थित सैनिक वाटिका में फ्री हृदय जांच शिविर एवं सैनिक सभा का आयोजन किया गया। कैंप मे 96 लोगों ने अपना मेडिकल चेकअप करवाया। नोएडा से मेट्रो हार्ट इंस्टिट्यूट के कार्डियोलॉजीस्ट मुमुक्षु आर्य की टीम ने विशेषज्ञ और लैब सेवाएं प्रदान की। कर्नल डीके भारद्वाज ने बताया कि इसी के साथ सैनिकों और परिवारजनों की मासिक सभा भी संपन्न हुई। जिसमे सीएसडी कैंटीन, पॉलीक्लीनिक, सैनिक बोर्ड, पेंशन संबंधी दिक्कतें व अन्य विभिन्न मसलों के समाधान हेतु विचार विमर्श हुआ। पूर्व सैनिकों और उनके परिवार जनों के लिए रोजगार प्लेसमेंट बारे जानकारी सांझा की गई। बैठक में अभी हाल में सेवारत कर्नल और उनके बेटे के साथ पटियाला में और कुछ महीने पहले एक जवान के साथ जयपुर मे पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट और अशोभनीय व्यवहार पर रोष व्यक्त किया गया।

ई-टेस्ट पास करने वाले नर्सिंग छात्रों को सर्टिफिकेट देते डा. भोला।

लोगों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जींद। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हरियाणा नॉलेज कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पूरे हरियाणा में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के ई-टेस्ट का आयोजन शनिवार को नागरिक अस्पताल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल सात अप्रैल को मनाया जाता है। सन 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की स्थापना हुई। इसी उपलक्ष्य में स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और हमारे डॉक्टर्स के अतुलनीय योगदान को चिह्नित करने के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य मानव सुख और कल्याण के लिए बहुत जरूरी है। किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए स्वास्थ्य जीवन होना बहुत जरूरी है। स्वस्थ लोग आर्थिक उन्नति में योगदान देते हैं।

जींद। माता वैष्णवी धाम में पूजा करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

जींद। बैठक को संबोधित करते वक्ता। फोटो :हरिभूमि

जींद। भजन गायन करते छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

हनुमान चालीसा का किया पाठ

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में संगीत विभाग (गायन व वादन) द्वारा रामनवमी के उपलक्ष्य में श्रीराम संकीर्तन का कार्यक्रम रखा गया। संगीत विभाग के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की 35 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। रामनवमी के अवसर पर श्रीराम के भजनों की प्रस्तुति संगीत विभाग की छात्राओं कुशा, सुनैना, जैसमीन व इंदू के द्वारा दी गई। तत्पश्चात राम स्तुति, राम नाम की माला व श्री हनुमान चालीसा के पाठ द्वारा कार्यक्रम की समाप्ति हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर के द्वारा रामनवमी की बधाई छात्राओं को दी गई और कहा कि यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करने का एक मात्र उद्देश्य यही है कि आजकल देश का युवा जो संस्कारों से पीछे हट रहा है, उसके लिए यह आयोजन उनको राह दिखाने में काफी मददगार है।

तरक्की के लिए शिक्षित होना बहुत जरूरी

जींद। किसान छात्र एकता संगठन एवं सर्वजन एजुकेशनल एंड वोकेशनल संस्था द्वारा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में मजदूर वर्ग के बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके तहत न केवल बच्चों को पढ़ाया जा रहा है बल्कि उन्हें कॉपी, पेन व अन्य पाठ्य सामग्री भी निशुल्क वितरित की जा रही है। संस्था जिलाध्यक्ष अभिषेक जुलाना ने कहा कि शिक्षा ही समाज को तरक्की की राह पर ले जा सकती है और प्रत्येक बच्चे को पढने का समान अधिकार मिलना चाहिए। संगठन युवा अध्यक्ष नवरत्न माथुर ने कहा कि मजदूरों के बच्चों में भी असीम संभावनाएं हैं, जिन्हें सही मार्गदर्शन और संसाधनों की जरूरत है। हमें हर जरूरतमंद बच्चे तक किताबें पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता जरूरी : सेव

- पटियाला चौक से नरवाना रोड एरिया में सफाई अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सोसाइटी फोर एडवांसमेंट आफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार दोपहर बाद पटियाला चौक सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा से नरवाना रोड एरिया में सफाई अभियान चलाया। सेव संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया यह 420 वां अभियान था। संस्था सदस्यों ने दुकानों के बाहर पड़े पॉलिथीन को उठाते हुए लोगों को स्वच्छता का संदेश देने का प्रयास किया। लोगों को समझाते हुए कहा कि सभी सभी लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक होने चाहिए। जो आदमी जमीन पर कूड़ा फेंकता है या खुले में कूड़ा डालता है उसको सामाजिक तौर से टोकन चाहिए। आपस में टोकने से हर आदमी की समझ में फर्क पड़ेगा और स्वच्छता को बल मिलेगा।

सभी ने डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए सारा कूड़ा डस्टबिन में इकट्ठे करके, वह डस्टबिन नगर परिषद की गाड़ी को देना चाहिए। जिस दिन सभी को स्वच्छता की आदत हो जाएगी। जब हर आदमी स्वच्छता के प्रति जागरूक हो जाएगा तब हमारा माहोला, गांव, शहर और देश सुंदर बनेगा। इस मौके पर जोधाराम, अजमेर सिंह चौहान, बलवीर श्योकंद, सत्य मुनि वानप्रस्ती रोहताश गुप्ता, महेश सैनी नंबरदार, सुजान सिंह पूनिया, बलबीर सिंह, मास्टर जोरा सिंह आदि मौजूद रहे।

जींद। अभियान में भाग लेते संस्था पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

जींद। ग्रामीणों को संबोधित करते वाईस चेयरमैन सतीश शाहपुर।

शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन का स्वागत

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर का जुलाना हलके के गांव लिजवाना कलां के ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति समाज को सही दिशा की ओर ले जाने में सक्षम होता है। इसलिए हमारा मुख्य उद्देश्य अपने बच्चों को पढाना होना चाहिए। हम चाहे किसी भी स्थिति में हो लेकिन बच्चों की पढ़ाई से समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिनका लाभ गरीब आदमी घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से ले सकता है। सतीश शाहपुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने परीक्षाओं को बहुत ही पारदर्शी बनाया है। परीक्षा चाहे शैक्षणिक हो या नौकरी की हो, उनसे किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया है।

लाखों बीमार व निराश लोगों को योग व प्राणायाम से नया जीवन मिला

योग रोगों को दूर भगाने का सुलभ साधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रेलवे जंक्शन रोड स्थित गुरूद्वारा सिंह सभा में गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी व माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरूकुल द्वारा आयोजत किए गए दस दिवसीय योग शिविर का शनिवार को समापन हुआ। योग शिविर में साधकों ने योग के गुर सीखे। योगाचार्य सूर्यदेव आर्य द्वारा साधकों को योगासन करवाने के साथ-साथ उनसे होने वाले फायदों से भी अवगत करवाया जा रहा है। गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के कमलजीत ग्रेवाल, अशोक छिब्बर, जसबीर सिंह ने योगाचार्य सूर्यदेव आर्य सम्मानित किया। शिविर में 54 साधक प्रतिदिन योग कर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। योग शिविर में साधकों को संबोधित करते योगाचार्य सूर्यदेव आर्य ने कहा कि देश में लाखों बीमार व निराश लोगों को योग व प्राणायाम से नया जीवन मिला है। अमेरिका जैसे विकासशील देशों में दवाओं व नशे पर लाखों लोग बहुत भारी खर्च करते थे लेकिन अब भारतीय योग पद्धति को अपना कर लाखों लोग दवाओं व नशे से मुक्त हो चुके हैं। महिला कोच अंजू देवी ने कहा कि योग रोगों को दूर भगाने का सुलभ साधन हैं। जो नियमित रूप से योग करते हैं, उनको डाक्टरों के यहां जाने की जरूरत नही पड़ती है। योग जिंदगी का अहम हिस्सा है जो हमें पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रखता है। माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरूकुल प्रधानाचार्य ज्योति आर्य व अशोक छिब्बर ने कहा कि आज मनुष्य तरह-तरह की बीमारियों से ग्रस्त है, जिसका प्रमुख कारण बदल रहा खानपान है। जब तक हम अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण रूप से गंभीर नही होंगे तब तक हमारा शरीर बीमारियों का घर बना रहेगा। महिलाओं को चाहिए कि वे सुबह एवं शाम योग करने के लिए समय निकाले ताकि वे अपने आप को स्वस्थ्य रख सकें। गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के कमलजीत ग्रेवाल व जसबीर सिंह ने कहा कि योग से नवीन जीवन मिलता है और अनेक व्याधियों का निदान होता है। साधक को जितनी रूचि योग एवं प्राणायाम में होगी, वह उतना ही लाभांवित होगा। योग का प्रभाव दवाओं से अधिक प्रभावशाली होता है। जो व्यक्ति प्रतिदिन एक घंटा योग व प्राणायाम कर लेता है, वह निरोग रहता है।

योगाचार्य सूर्यदेव आर्य को सम्मानित करते गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी सदस्य।

सीएम विंडो शिकायतों को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते एडीसी।

लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान हो

जींद। कार्यवाहक उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि सीएम विंडो पोर्टल पर लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निपटान होना चाहिए। शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय सीमा के भीतर हो ताकि आम जनता को राहत मिल सके और प्रशासनिक पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपलोड की जाए। यदि कोई शिकायत किसी तकनीकी या नीतिगत कारणों से लंबित पड़ी है, तो उसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर संबंधित अधिकारियों को तुरंत भेजी जाए। किसी भी लापरवाही के लिए संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कार्यवाहक उपायुक्त विवेक आर्य शनिवार को सीएम विंडो पोर्टल पर लंबित शिकायतों के दृष्टिगत समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे थे।

खबर संक्षेप

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना कारगर साबित

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रही है। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख रुपए तक का बीमा होता है। डीसी प्रीति ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए स्कीम चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक समर्थन देकर मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते है।

लोगों को मत्स्य पालन के प्रति प्रोत्साहित किया

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि किसानों और मछली पालन का व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना आर्थिक स्थिति मजबूत करने में वरदान सिद्ध हो रही है। सरकार द्वारा योजना के तहत 40 से 60 प्रतिशत वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। डीसी ने कहा कि जिला में उन गांवों के लोगों को मत्स्य पालन के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिन गांवों में बरसात के पानी का ठहराव होता है या भूमि बंजर है। मछली पालन से किसानों की आय बढ़ रही है। झींगा मछली पालन से 5 से 6 लाख रुपए प्रति एकड़ तक आमदनी होती है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा योजना के तहत अनुसूचित जाति व महिला वर्ग मछली पालकों को 60 प्रतिशत अनुदान तथा सामान्य वर्ग को मछली पालन पर 40 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

बच्चों को शैक्षिक सामग्री पेय पदार्थ वितरित किए

पूंडरी। कन्या पूजन के पावन अवसर पर पंजाबी युवा सभा द्वारा एक अनुकरणीय सेवा कार्य का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के जरूरतमंद बच्चों के बीच शिक्षा से जुड़ी सामग्री और पेय पदार्थ वितरित किए गए। यह आयोजन स्थानीय बाल्मीकि चौपाल में संपन्न हुआ, जहाँ लगभग 45 से 50 बच्चों को कॉपियाँ, पेंसिलें, ज्योमेट्री बॉक्स और फ्रूटी बाँटी गईं। इस सेवा कार्य में संस्था के प्रमुख दीपक कुमार नंदराजोग के नेतृत्व में कई गणमान्य सदस्य शामिल हुए, जिनमें कैशियर निशांत उप्पल, डॉ. राजेश कुकरेजा, हर्ष सेठी, जगदीश कवात्रा सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे।

आरकेएसडी महाविद्यालय में किया प्रतियोगित का आयोजन

भाषण प्रतियोगिता में कीर्ति अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरकेएसडी महाविद्यालय के संध्याकालीन सत्र के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय सतत विकास व आत्मनिर्भर भारत रहा। इस प्रतियोगिता में बीए एवं एमए अर्थशास्त्र के 11 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र विकास में 2030 तक गरीबी, असमानता व जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने हेतु जागरूक करना रहा। सांध्याकालीन सत्र के प्राचार्य प्रभारी डॉ हरिंदर गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते बताया कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को समाज के प्रति जागरूक बनाती है और प्रेरणा देती है कि कैसे देश को मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभागाध्यक्षा डॉ मनिका गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।मंच का संचालन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ मीनू अग्रवाल ने किया और कहा कि 2030 का उद्देश्य तभी संभव है जब लोग मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक रूप से मजबूत होंगे इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रीति, द्वितीय स्थान ललित व प्राप्त स्थान सोनाली ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डा. संयोगिता शर्मा व डा. रितु चौधरी ने निभाई। कार्यक्रम के अंत में डा हरिंदर गुप्ता एवम प्राध्यापकों द्वारा वातावरण को शुद्ध रखने एवं सतत विकास प्राप्त करने के उद्देश्य हेतु पौधा रोपण किया गया और संदेश भी दिया ताकि विद्यार्थी देश हित में सहयोग कर सके। इस अवसर पर डा. मनोज बंसल, प्रो. इला, प्रो. रेखा उपस्थित रहे।

कैथल। भाषण प्रतियोगिता में अव्वल रही छात्राओं को सम्मानित करते पदाधिकारी।

साहित्य परिषद् करवाएगी कहानी लेखन प्रतियोगिता

कैथल। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् , जिला इकाई कैथल द्वारा प्रांत इकाई हरियाणा के मार्गदर्शन में कहानी-लेखन प्रतियोगिता - 2025 का आयोजन व्हाट्स एप के माध्यम से किया जा रहा है। जानकारी देते परिषद् के जिला पदाधिकारियों डॉ० तेजिंद्र, सतपाल पराशर आनन्द और सतबीर सिंह जागलान ने बताया कि यह कहानी प्रतियोगिता विद्यार्थी वर्ग, शिक्षक वर्ग, साहित्यकार एवं सामान्य जन वर्ग में आयोजित की जा रही है। विद्यार्थी वर्ग में आगे फिर दो उप वर्ग हैं। एक : कक्षा छः से आठ और दूसरा कक्षा नौ से बारह।सभी प्रतिभागियों के लिये कहानी का विषय परिवार/ कुटुंब/ पारिवारिक रिश्ते रहेगा।कहानी परिवार में प्रेम, आपसी मेलजोल, एक-दूसरे के लिये त्याग और समर्पण की भावना, परिवार के लिये शिक्षा का महत्व, व्यक्ति के लिये परिवार की आवश्यकता और महत्व, परिवार में नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रवेश के दुष्परिणाम पारिवारिक झगड़ों के दुष्परिणाम, परिवार में कन्याओं को लड़कों के समान समझने की भावना- आदि, कहानी के लिये उप विषय हो सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग में कक्षा छः से आठ के लिये कहानी की शब्द-संख्या लगभग 500 शब्द और कक्षा नौ से बारह वर्ग में कहानी की शब्द-संख्या लगभग 800 शब्द रहेगा।

कैथल। सांस्कृतिक फेस्ट में हासिल की गई ट्राफी के साथ आरकेएसडी कालेज के विद्यार्थी। **फोटो :हरिभूमि**

आरकेएसडी कालेज ने सांस्कृतिक फेस्ट की ओवर आल ट्राफी जीती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरकेएसडी महाविद्यालय कैथल की सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने आर्य कालेज पानीपत के द्वारा करवाए गये राज्यस्तरीय सांस्कृतिक फेस्ट की ओवर आल ट्राफी जीत ली है। चार विधाओं पर आधारित इस आयोजन में महाविद्यालय ने हरियाणवी समुह नृत्य की ट्राफी एवं नियत 7 हजार रू की ईनाम राशि जीती। छात्रा संजली ने सोलो नृत्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया एवं ट्राफी एवं नियत 1100 रुपए की नगद राशि प्राप्त की। इन चार विधाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके चांदी की ट्राफी भी महाविद्यालय ने प्राप्त की । सांस्कृतिक विधाओं के संयोजक डॉ अशोक अत्रि एवं सहसंयोजक डॉ राजीव शर्मा के नेतृत्व में कुल 14 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। कालेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ सत्यवीर मैहला, उपप्राचार्य डॉ राजबीर पारासर ने विजेता टीम को बधाई दी।

विद्यार्थियों ने प्राकृतिक सुंदरता का भरपूर आनंद लिया ट्रैकिंग करते अनेक अविस्मरणीय क्षणों को साझा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरकेएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

आरकेएसडी कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम एवं बी.बी.ए छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक स्थलों से अवगत कराना और उन्हें कक्षा से बाहर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। यात्रा का शुभारंभ पंचकूला स्थित पवित्र माँ मनसा देवी मंदिर के दर्शन से हुआ, जहाँ विद्यार्थियों ने आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। इसके उपरांत सभी प्रतिभागियों ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में प्रातःकालीन जलपान का आनंद लिया। तत्पश्चात यात्रा हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कसौली की ओर अग्रसर हुई।रास्ते में अगला प्रमुख पड़ाव ऐतिहासिक बरोग टनल रहा, जो कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर स्थित भारतीय रेलवे के अभियांत्रिकी चमत्कारों में से एक है। वहाँ स्टेशन अधिकारी श्री सुरेन्द्र शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को टनल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, निर्माण तकनीक तथा संरचना की जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने इस स्थल की प्राकृतिक सुंदरता का भी भरपूर आनंद लिया और ट्रैकिंग करते हुए अनेक अविस्मरणीय क्षणों को साझा किया। कसौली पहुंचने के उपरांत विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम कसौली चर्च का भ्रमण किया, जो अपनी ऐतिहासिक वास्तुकला तथा शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। भ्रमण का सफल आयोजन डॉ. विशाल आनंद के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अजय शर्मा, डॉ. शशि, प्रो. नेहा, प्रो. इशिका तथा लक्ष्मण भी उपस्थित रहे।दिन के समापन पर सभी ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में रात्रि भोजन का आनंद लिया तथा पश्चात कैथल के लिए प्रस्थान किया।

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज के विद्यार्थी कसौली का भ्रमण करते।

पुलिस ने नशे के खिलाफ किया जागरूक

दृढ़ संकल्प-इच्छाशक्ति से छोड़ सकते हैं नशे की लत: कालिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नशा मुक्त अभियान तहत कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार पुलिस टीम आमजन के बीच में जाकर नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए नशा ना करने बारे जागरूक कर रही है। एसपी राजेश कालिया ने कहा कि संसार में कई प्रकार के नशे होते हैं। कोई सुंदरता का नशा, धन का नशा, ताकत का नशा, सत्ता का नशा है, पद का नशा, शराब तथा अन्य प्रकार की ड्रग्स का नशा आदि। ये नशे मनुष्य को कुमार्ग पर ले जाने वाले होते हैं। नशे सहित सामाजिक बुराइयों को दृढ़ संकल्प एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से छोड़ा जा सकता हैं। सभी युवा अपनी ऊर्जा का सही इस्तेमाल करें, युवा सही दिशा में मेहनत करके अपने चरित्र को गढ़ेंगे तो हम सभी मिलकर एक सभ्य समाज का निर्माण करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि युवा अपने चरित्र को अच्छे से गढ़कर खुद के जीवन को संवार भी सकते हैं और बुराइयों में फंस कर अपने जीवन को खराब दिशा में भी ले जा सकते हैं। युवा स्वयं भी नशे से बचें और अपने आस-पास यदि नशे से जुड़ी कोई गतिविधि देखें तो अपने अभिभावको व अध्यापकों को सूचना दें। यदि आपको कोई भी व्यक्ति नशा ऑफर करें।

कैथल। आमजन को नशा न करने बारे जागरूक करती पुलिस टीम।

किठाना कॉलेज आफ एजूकेशन में की एक्सपोजर प्रोग्राम की औपचारिक शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

- महाविद्यालय के विद्यार्थी नजदीकी सरकारी विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे

किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन, किठाना (कैथल) में बी . ए.बी.एड. छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल एक्सपोजर प्रोग्राम की औपचारिक शुरूआत की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या डॉ निर्मल सिंहरोहा द्वारा की गई।उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षण प्रशिक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। इससे विद्यार्थी सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे कक्षा के माहौल में शिक्षण की वास्तविक चुनौतियों एवं अवसरों से रूबरू होते हैं।इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है ताकि वे शिक्षण के व्यावहारिक पहलुओं को नजदीक से समझ सकें।इस प्रोग्राम के अंतर्गत कॉलेज के विद्यार्थी नजदीकी सरकारी विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे, कक्षा-प्रबंधन, शिक्षण विधियों, मूल्यांकन तकनीकों एवं विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक पक्षों का अवलोकन करेंगे। यह अनुभव उन्हें भावी शिक्षक के रूप में तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को विद्यालयी जीवन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने हेतु प्रेरित किया।विद्यालयों में विद्यार्थियों का उत्साह देखने योग्य था। वे शिक्षकों की भूमिका में स्वयं को पाकर गर्व महसूस कर रहे थे। विद्यार्थियों ने कहा कि यह अवसर उन्हें न केवल प्रोफेशनल रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी सशक्त बना रहा है।कॉलेज चेयरमैन रामफल ढांडाने विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। एम. डी. विकास ढांडा ने सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया कि यह इंटर्नशिप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। विभागाध्यक्ष डॉ जगजीत, विनोद मौजूद रहे।

कव्वालियां रही आकर्षण का केंद्र

दर्शन अकादमी फाउंडेशन की स्थापना की पर्ल जुबली अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

30 साल पूरे होने की खुशी में 30 पौधेरोपित किए

दर्शन अकादमी 5 माइल कैथल में दर्शन अकादमी फाउंडेशन की स्थापना की पर्ल जुबली अत्यंत हर्षोल्लास और गौरव के साथ मनाई गई । यह ऐतिहासिक अवसर संस्था की शिक्षा, सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण को समर्पित रहा।समारोह का शुभारंभ प्रार्थना सभा के साथ हुआ। प्रधानाचार्य सुशील कुमार जी ने दर्शन अकादमी फाउंडेशन के प्रेसिडेंट अश्विनी सचदेवा जी का भेजा गया संदेश पढ़ कर सुनाया। विद्यालय के छात्रों ने इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें से कव्वाली ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। दर्शन अकादमी फाउंडेशन के 30 साल पूरे होने की खुशी में 30 गुब्बारे आसमान की उड़ान भरने के लिए छोड़े गए तथा 30 ही पौधों को रोपित किया गया। कार्यक्रम का अंत सभी हाउस के बच्चों द्वारा दर्शन अकादमी के सभी 24 ब्रांचेस के नाम दिखाते हुए परेड करते हुए किया गया। स्कूल मैनेजर, प्रधानाचार्य, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रधानाचार्य सुशील कुमार अपने विचारों से सभी को प्रेरित किया। उन्होंने संस्था की उपलब्धियों की सराहना की और इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल को-ऑर्डिनेटर रितिका और सभी अध्यापकगण वीरम, अनुप्रिया, नैंसी, रेनू, नीतू, संजम, रिशु, वंदना, रितु, सोनिया, पूजा, रिया, प्रशांत आदि मौजूद रहे।

कैथल। दर्शन अकादमी 5 माइल कैथल में पर्ल जुबली पर पौधरोपण करते पदाधिकारी।

वक्फ बोर्ड के संशोधन में लाखों लोगों की राय ली : इंद्रेश कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ बोर्ड के संशोधन में लाखों लोगों की राय ली गई है। शायद यह पहला ऐसा बिल होगा जिस पर काफी व्यापक मंथन हुआ और लंबी बहस चली और वह पारित हो गया। वक्फ में पहले पारदर्शिता नहीं थी, दस्तावेज नहीं थे, यह कुछ मजहबी और कुछ सियासती माफिया का अड्डा बन चुका था। इससे मुसलमान को कोई भी कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा था और इतने वर्षों में कोई समाज हित का काम भी नहीं हुआ। इसलिए जो माफिया था उससे वक्फ बोर्ड को पूर्ण रूप से मुक्ति मिली है। इंद्रेश कुमार अपने निवास पर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुसलमान में एक तरह का भय का माहौल बना रखा था। इसलिए मुसलमान और वक्फ बोर्ड को कांग्रेस और ऐसे ही अन्य दल व मजहबी नेताओं से भय मुक्ति मिली है। अब वक्फ बोर्ड की आमदनी से मुसलमानों की कल्याणकारी योजनाएं बनेगी।

छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगाए चार चांद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

30 वर्षीय यात्रा को दर्शाने के लिए चित्रों की प्रदर्शनी लगाई

दर्शन अकादमी प्रताप गेट कैथल में दर्शन एजुकेशन फाउंडेशन के 30 वर्ष के गौरवशाली सफर का जश्न मनाने के लिए एक आयोजन किया । समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य मनोज कुमार पांडे जी की देखरेख में किया। दर्शन एजुकेशन फाउंडेशन ने 30 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा में शिक्षा के माध्यम से अनगिनत जीवन के पहलुओं को छुआ और उन्हें संवारने का कार्य किया। इस गौरवशाली अवसर पर रेणु सतीजा ,एल एम सी के गणमान्य सदस्य, मैनेजर आर एल गंभीर व अभिभावकगण मौजूद थे। इस गौरवशाली अवसर को चिन्हित करने के लिए एक भव्य प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। दर्शन एजुकेशन फाउंडेशन की 30 वर्षीय यात्रा को दर्शाने के लिए चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों द्वारा प्रस्तुत कव्वाली ने समारोह को चार चांद लगा दिए।बच्चों द्वारा मार्च पास किया गया और एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें मनोज कुमार पांडे ने अपने प्रेरक संबोधन द्वारा बच्चों को प्रेरित किया। महाराज के अनमोल वचनों को सुनाया गया तथा 5 मिनट के लिए सभी ने ध्यान लगाया। प्रधानाचार्य द्वारा यह संदेश दिया गया कि यह न केवल हमारी 30 वर्षों की उपलब्धियो का उत्सव है बल्कि एक मजबूत संकल्प है कि हम आने वाले वर्षों में और अधिक बच्चों तक महत्वपूर्ण व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। राष्ट्रीय गान के साथ ही इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

कैथल। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते दर्शन अकादमी के विद्यार्थी।

राम कथा सिखाती है जीने की कला : आचार्य संतोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पुण्डरीक तीर्थ पर श्रीराम मन्दिर के प्रांगण, में राम नवमी के उपलक्ष में जन कल्याणार्थ हेतु श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है जिसमें परम पू'य संतोष जी महाराज अपनी सुमधुर वाणी से राम कथा का रसास्वाद करा रहे हैं। कथा के दौरान पंडित रविदत्त शास्त्री को संतोष जी महाराज ने विशेष रूप से सम्मानित किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में सबसे देदीप्यमान आदर्श चरित्र भगवान राम का ही है। यह बहुत वर्षों से हिंदू जाति का पथ-प्रदर्शक रहा है और इसी से यहाँ के निवासी अपने कर्तव्य-पालन की शिक्षा पाते रहे हैं।

पंडित रविदत्त शास्त्री को सम्मानित करते संतोष जी महाराज।

सुंदर झांकियों से मोहा मन

ब्रह्माकुमारीज राजौंद के प्रांगण में चैतन्य देवी दर्शन झांकी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्र का त्योहार बडी श्रद्धा भाव वा उमंग उत्साह से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज राजौंद के प्रांगण में चैतन्य देवी दर्शन झांकी का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में देवी-देवताओं के मनमोहक दृश्यों ने सभी उपस्थित जनों का ध्यान आकर्षित किया। झांकी में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों का चित्रण किया गया, जिसमें भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। भक्तों ने झांकी के दर्शन कर मन में श्रद्धा और आस्था के भाव अनुभव किए। कार्यक्रम का उद्देश्य शिव परमात्मा से राजयोग के द्वारा देवी शक्ति की महिमा को उजागर करना और भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में असंध सेवाकेंद्र इंचार्ज राजयोगिनी उषा दीदी मुख्य रूप से पधारे साथ साथ विशेष अतिथि के रूप में भीम सिंह राणा प्रधान मार्केट कमेटी राजौंद पधारे। तथा नगर पार्षद विजेंद्र सिंह राणा, अंकित सिंह, कर्मा सिंह ने कार्यक्रम में पुहूंच कर चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर असंध सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उषा दीदी जी ने मातृशक्ति की महिमा करते हुए कहा कि भगवान ने वंदे मातरम का नारा दिया। भगवान ने भी मातृशक्ति को आगे रखा और मातृ शक्ति ने आगे आकर इस समाज को संबल दिया, सहारा दिया है। उपस्थित भाई बहनों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे एक अद्वितीय अनुभव बताया। अंत में ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने राजयोग का अभ्यास करवाया। बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर माता रानी की महिमा का गुणगान किया।

छोटी- छोटी कन्याओं के चरण धोकर भोजन खिलाया

कन्या पूजन कर मनाया दुर्गा अष्टमी का पर्व

भक्त जनो नें छोटी- छाटी कन्याओं की मां दुर्गा के रुप में पूजा की, व्रतियों ने हलावा पूरी का प्रसाद बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद में 30 मार्च से शुरू हुए पावन नवरात्र पर के कन्या पूजन किया गया। पिछले सात दिन से उपवास रख मां दुर्गा के पावन चरणों में पूजा अर्चना करने वाले साधकों को कन्या पूजन के लिए कन्याओं को ढुंढने में भारी मशक्कतों का सामना करना पड़ा तथा एक-एक कंजक को कई-कई जगह मां दुर्गा का रूप धारण कर प्रसाद ग्रहण करना पड़ा। प्राचीन काल से मान्यता चली आ रही है कि जो साधक नवरात्रे का व्रत कर अष्टमी के दिन कन्याओं की पूजा कर उन्हें श्रद्धा पूर्वक भोजन करवाते हैं, उन पर मां भगवती अपना पूर्ण हाथ रखती है तथा उनकी पूजा अर्चना व उपवास को सफल बनाती है। इसके अलावा शनिवार को पाई क्षेत्र में दुर्गा अष्टमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। भक्त जनो नें छोटी- छाटी कन्याओं की मां दुर्गा के रुप में पूजा की। लगभग सभी घरों हलावा पूरी का प्रसाद बनाया गया। उसके बाद छोटी- छोटी कन्याओं को अपने घर बुला कर उनके चरण धोकर भोजन खिलाया गया। भकतजनों ने फिर उन कन्याओं के चरणों में मत्था टेककर उनसे आर्शीवाद लिया।

राजौंद। कन्याओं की पूजा करते हुए साधक। व कन्याओं की पूजा करते हुए साधक।

खबर संक्षेप

शादियों पर बढ़ते खर्च को कम करें: बुवानीवाला

नरवाना। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि वैश्य समाज के लोगों को राजनीति में अपनी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और शादियों पर बढ़ते खर्च को कम करने के लिए काम करना चाहिए। अशोक बुवानीवाला आज नरवाना अग्रवाल वैश्य समाज के विधानसभा अध्यक्ष अर्जुन गोयल के निवास पर वैश्य समाज के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे थे। अशोक बुवानीवाला फार्मेसी काउंसिल के पूर्व चेयरमैन केसी गोयल के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए आए थे। उन्होंने कहा कि आज राजनीति का महत्व सबसे ज्यादा है ।

सर्व कल्याण मंच जाएगा 24 रक्तदान शिविर

जींद। देवी मन्दिर डाहौला में सर्व कल्याण मंच जीन्द द्वारा माता पनमेश्वरी देवी सेवा समिति डाहौला के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें 24 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एवं सर्व कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष सुभाष ढिगाना ने रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया। उन्होनें रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एक व्यक्ति अपने शरीर से एक यूनिट रक्त दान करके तीन व्यक्तियों की जिंदगी बचा सकता है। इसलिए रक्तदान को महादान कहा गया है।

सफीदों मंडी में अबतक आया 1500 क्विंटल गेहूं

सफीदों। सफीदों मंडी में गेहूं की आवक शुरू हो चुकी है लेकिन खरीद कार्य शुरू नहीं हो पाया है। मंडी में करीब 1500 किवंटल गेहूं पहुंच चुकी है। अभी तक किसी भी सरकारी एजेंसी ने एक भी दाना नहीं खरीदा है। इसके पीछे गेहूं में नमी की मात्रा अधिक बताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर मंडी में उठान का टेंडर भी अभी तक नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्रशासनिक तौर पर प्रोसेस निरंतर जारी है। वहीं मंडी में आढ़तियों के पास बारदाना भी नहीं पहुंचा है। दिक्कत यह है कि अगर मंडी में गेहूं की खरीद हो भी जाए।

अनाजमंडी में पहुंची 400 क्विंटल गेहूं की फसल

जुलाना। जुलाना कस्बे की अनाजमंडी में अब तक 400 क्विंटल गेहूं की फसल पहुंची है। मंडी में फसल तो पहुंच गई है लेकिन अभी तक खरीद का काम शुरू नही हो पाया है। मंडी में खरीफ की फसल और रबी की फसल एक साथ आ रही है। ऐसे में मार्केट कमेटी कार्यालय की परेशानियां बढ़ती हुई नजर आ रही है। मंडी में कपास और हजारों क्विंटल धान आ रही है। इसके साथ ही गेहूं और सरसों की फसल की मंडी में आवक शुरू हो गई है। मंडी में धान के उठान को लेकर मार्केट कमेटी की ओर से आढ़तियों को नोटिस दिए गए हैं कि रविवार को शाम को पांच बजे तक धान का उठान करें नही तो आढ़तियों के लाईसेंस रद्द किए जाएंगे।

सुझावों को अपनाकर साइबर क्राइम से बचें

कैथल। आमजन को साइबर ठगी बारे जागरूक करने के लिए कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। जिला पुलिस की विभिन्न टीम जगह जगह आमजन को साइबर ठगो से सचेत रहने बारे जागरूक कर रही है। एसपी राजेश कालिया ने बताया कि साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता ही एकमात्र उपाय है, क्योंकि साइबर अपराधी रोजाना नए तरीकों से लोगों से ठगी कर रहे हैं तो कभी रिश्तेदार, मित्र, बैंक कर्मी, अधिकारी व सैन्य अधिकारी बन कर खातों से पैसा निकाल रहे हैं तो कभी बीमा पॉलिसी का लाभ व रिवार्ड प्वाइंट दिलाने का झांसा दे रहे हैं। बैंक अधिकारी व कर्मचारी बनकर साइबर अपराधी लोगों को कोल करके कहते है कि अधिकारी या कर्मचारी बोल रहे है आपके खाते को अपडेट किया जा रहा है।

प्रदेश में हो रहे समग्र विकास का फायदा नरवाना क्षेत्र को भी बराबर मिलेगा

■ जल्द ही पात्र महिलाओं के खाते में आएंगे 2100 . 2100 रुपये प्रति महीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

गांवए गरीब किसान एव युवा कल्याण के प्रति राज्य सरकार वचनबद्ध है और इस दिशा में निरन्तर प्रयास किए जा रहे है। प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री की परिकल्पना सबका साथ. सबका विकास सबका विश्वास तथा सबका प्रयास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार काम कर रही है। निकट भविष्य में राज्य का समग्र विकास का फायदा नरवाना विधानसभा क्षेत्र को भी बराबर मिलेगा। ये विचार प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने गांव भिखेवाला के स्कूल में आयोजित ग्रामीण सभा को सम्बोन्धित करते हुए व्यक्त किए।

कैबिनेट मंत्री का ग्रामीणों ने स्वागत किया

कैबिनेट मंत्री ने गांव के विकास के लिए अनेक विकास कार्यों एवं परियोजनाओं को अमल में लाने का विश्वास दिलाया। ग्राम पंचायत की मांग पर भिखेवाला सहित आसपास के गांवों को पर्याप्त मात्रा में नहरी पानी उपलब्ध करवाने के लिए भी कैबिनेट मंत्री ने भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ समय लगेगा क्योंकि उनका मकसद बड़ा प्रोजैक्ट बनाकर नहरी पानी की समस्या को हमेशा के लिए खत्म करना है। श्री बेदी ने भिखेवालाए कलौदाए फैरण खुर्द की सड़क बनानेए स्टेडियम में जिम्म हालए पंचायत भवन के पास पार्क की चार दिवारीए सभी चैपालों के भवनों की मुरम्मत व नवीनीकरणए पीएचसी भवन का जीर्णोद्धारए दो एकड़ जमीन में सामुदायिक केन्द्रए सभी ढाणियों में पेयजल व्यवस्थाए स्कूल में कमरेए गांव की फिरनी तथा सभी कच्चे रास्तों व अन्य गलियों पक्का करवाने की भी घोषणा की। गांव में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री का ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

पीएम के कार्यक्रम में पहुंचने का दिया न्यौता

उन्होंने डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में हिसार में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने के लिए भी ग्रामीणों को न्यौता दिया। कार्यक्रम के प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री ने यह भी बताया कि इस दिन प्रधानमंत्री मोदी प्रदेश के लोगों को हिसार हवाई अड्डा समर्पित करेंगे। इसके अलावा प्रदेश में अन्य हजारों करोड़ रूपए की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सत्यवान शर्माए सुरेन्द्र प्रजापतिए सुरेन्द्र हथोए दिनेश गोयलए सुशील शास्त्रीए एडवोकट सुशील नायकए मोमन रामए सरपंच पूनम देवीए तेजपाल शर्माए बलदेव वाल्मीकिए हंसराज समैणए चन्द्र प्रकाश बोस्तीए राममेहर नम्बरदारए प्रमोद शर्माए अमित धरौदीए विरेन्द्र नैनए रामफल कोटड़ाएए कैबिनेट मंत्री के निजी सचिव मनोज कुमारए मीडिया प्रभारी संजय बल्हाराए निजी सहायक जसबीर नैनए सुरेश पांचालए रघबीर जांगड़ाए कुलदीप काला सरपंच दबलैनए सुभाष शर्माए दलबीर कलौदाए नगर पार्षद सत्यवान बेदी सहित अन्य पदाधिकारियों के अलावा मार्किटिंग बोर्ड के एसडीओ रवि नैन व अन्य अधिकारी तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

महिलाओं 2100 जल्द

इसके अलावा ग्रामीणों की मांग पर उकलानाए नरवाना वाया भिखेवाला बस सेवा उपलब्ध करवाने के लिए कहा। बेदी ने यह भी कहा कि जल्द ही 2100 रुपये प्रति महिना योग्य महिलाओं को मिलना शुरू हो जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने 24 घंटे बिजली आपूर्तिए हैप्पी कार्ड द्वारा एक हजार किलोमीटर प्रति वर्ष रोड़वेज में नि: शुल्क यात्रा सेवाए एक लाख 80 हजार आमदनी वाले परिवारों को चिरायु योजना के तहत सरकार खर्च पर ईलाज जैसी योजनाओं को सरकार द्वारा जारी क्रांतिकारी कदम बताया।

1453.02 मीट्रिक टन सरसों का उठान कार्य पूरा

2009.65 मीट्रिक टन सरसों की खरीद

मंडी में गेहूं सुखा कर लाएं किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कार्यवाहक उपायुक्त विवेक आर्य ने बताया कि जिले की विभिन्न मंडियों में सरसों की खरीद कार्य तेजी से जारी है। गत दिवस तक 2009.65 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की जा चुकी है। जबकि 1453.02 मीट्रिक टन सरसों का उठान कार्य सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठान कार्य में और अधिक तेजी लाई जाए ताकि मंडियों में अनावश्यक भीड़ न हो और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि जिले की मंडियों में सरसों की खरीद सुचारू रूप से चल रही है।

गत दिवस देर शाम तक जींद मंडी में 507.8 मीट्रिक टन, नरवाना मंडी में 155.7 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा मंडी में 58.15 मीट्रिक टन, उचाना मंडी में 645 मीट्रिक टन, जुलाना मंडी में 544 मीट्रिक टन और सफीदों मंडी में 98.90 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी थी। इसके साथ ही अबतक कुल 1453.02 मीट्रिक टन सरसों का उठान कार्य संपन्न किया जा चुका है। कार्यवाहक उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और मंडियों में खरीद और उठान कार्य को तेजी से पूरा किया जाए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि प्रशासन पूरी तरह से तत्पर है और किसानों को किसी भी तरह की समस्या नहीं होने दी जाएगी।

जींद । सरकारी खरीद पर बिकी सरसों। फोटो : हरिभूमि

उचाना में गेहूं में नमी के चलते नहीं हुई खरीद

उचाना अनाज मंडी में अबतक छह गेट पास गेहूं के कटे हैं। 316 क्विंटल गेहूं मंडी आई है। छात्तर सब यार्ड, घोघडिया, काबछा, धनखड़ी परचेज सेंटर पर गेहूं नहीं आई है। प्रशासन द्वारा खरीद के प्रबंध एक अप्रैल से पहले पूरे कर लिए गए थे। खरीद एजेंसी भी अलॉट कर दी गई। गेहूं के नमी अधिक होने के चलते खरीद नहीं हो पाई। मार्केट कमेटी सचिव योगेश गुप्ता ने कहा कि किसान साफ, सूखी फसल लेकर मंडी में आएं ताकि उनकी फसल मंडी में आते बिक सकें। गेहूं की फसल खरीद के सभी प्रबंधन पुख्ता है। उचाना अनाज मंडी में छह गेट पास कटे है। परचेज सेंटरए छात्तर सब यार्ड में गेहूं नहीं आई है। मंडी में गेहूं के सीजन में जाम की स्थिति न बने इसको लेकर हाइवे स्थित अतिरिक्त अनाज मंडी में गेहूं की खरीद होगी।

उचाना में 12800 बैगों की हैफेड ने की खरीद

सरसों की सरकारी खरीद कपास मंडी उचाना में शैड के नीचे हो रही है। अब तक हैफेड ने 12800 बैगों की खरीद की है। 11 हजार से अधिक बैगों का उठान अब तक हो चुका है। 449 किसान सरकारी भाव 5950 रुपये प्रति क्विंटल पर अपनी सरसों बेच चुके है। मैनेजर अनिता ने बताया कि सरसों की खरीद निरंतर जारी है। जो भी किसान सरकारी मापदंडों पर खरी उतरने वाली सरसों लेकर आता है उसे मंडी में आते ही खरीदा जा रहा है। किसान साफ, सूखी सरसों लेकर मंडी आए ताकि आते ही सरसों बिक सकें। जो नियम खरीद को लेकर बनाए गए हैं, उनके नियमानुसार खरीद हो रही है।

पाई अनाज मंडी में नहीं शुरू हुई खरीद

पाई। पाई अनाज में शनिवार को पांचवें दिन भी किसानों की गेहूं की फसल न आने के कारण खरीद का कार्य शुरू नही हो पाया, परन्तु मार्केटिंग बोर्ड के द्वारा गेहूं के सीजन में मजदूरों की मजदूरी तया करके लिस्ट जारी कर दी गई है, जिसको कमेटी द्वारा आढ़तियों को बता दिया गया। जारी लिस्ट अनुसार किसान की ट्राली से गेहूं की उतराई 2.38 रुपये प्रति कट्टा, सफाई हाथ से 2.21, मशीन से 3.86, भर कर कांटे पर रखने के 3.52, तुलाई 2.35, कांटे से उतराई 1.79, सिलाई धागा समेत 2.32 तथा ट्रक में लदाई 3.36 रुपये प्रति कट्टा होगी, जो आढ़तियों को मजदूर को देनी होगी। कमेटी सचिव जोगिंद्र सिंह पेसियां ने बताया कि आढ़तियों को इसकी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि हर सीजन में बोर्ड के द्वारा मजदूरों की मजदूरी तय करके लिस्ट जारी करके कमेटी के माध्यम ये आढ़तियों को भेज दी जाती है।

कैथल की अनाज मंडी में शुरू हुई गेहूं की आवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल की अनाज मंडियों में गेहूं की आवक शुरू हो गई है, लेकिन अभी खरीद शुरू नहीं हुई है। खरीद न होने का सबसे बड़ा कारण मंडी में लाए जा रहे अनाज में नमी की मात्रा अधिक होना बताया जा रहा है। शुक्रवार को किसान गेहूं की पहली ढेरी लेकर मंडी पहुंचे, लेकिन उसमें नमी की मात्रा अधिक होने के कारण खरीद नहीं हो पाई। अब अधिकारी अनुमान लगा रहे हैं कि 8 अप्रैल के बाद ही खरीद कार्य सुचारू हो पाएगा। साथ ही बिक्री व उठान की व्यवस्था भी कर दी जाएगी। कैथल जिले में गेहूं की खरीद के लिए पांच मंडियां व 39 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर गेहूं खरीद का कार्य वेयर हाउस, हैफेड व खाद्य एवं आपूर्ति एजेंसियां करेंगी। इनके लिए अलग-अलग दिन भी निर्धारित किए गए हैं।

अटल कैंटीन शुरू

मंडियों और खरीद केंद्रों में तीनों एजेंसियां दिनों के हिसाब से फसल खरीदेंगी। मार्केट कमेटी के

कैथल की अनाज मंडी में गेहूं की फसल को सुखाते किसान

अधिकारियों का कहना है कि खरीद के दौरान किसानों, मजदूरों और आढ़तियों के लिए मंडी में पर्याप्त व्यवस्था की गई है। बिजली, पानी, शौचालय, साफ-सफाई, सीवरेज और अन्य सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। मंडी में अटल कैंटीन शुरू की गई है, जहां किसानों और मजदूरों को उचित दामों पर भोजन उपलब्ध कराया गया है।

फसल सुखाकर ही लाएं

मार्केट कमेटी सचिव नरेंद्र ढुल ने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसल को पूरी तरह से सुखाकर ही मंडी में लाएं, ताकि उन्हें बिक्री के लिए इंतजार न करना पड़े। अगर फसल में नमी की मात्रा अधिक होगी तो उसे मंडी में लाकर सुखाना पड़ेगा।

हिसार में एयरपोर्ट का उद्घाटन करने पहुंचेंगे पीएम

14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी देंगे हरियाणा को सौगात: कृष्ण शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

भाजपा के जिला सचिव कृष्ण शर्मा पिलनी ने बताया कि आगामी 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के हिसार में एयरपोर्ट का उद्घाटन करने पहुंचेंगे और लोगों को एयरपोर्ट के रूप में एक बड़ी सौगात देंगे। भाजपा कुरुक्षेत्र जिला अध्यक्ष स. तेजेंद्र सिंह गोल्डी को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करने के पश्चात यहां बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए ऐलनाबाद क्षेत्र से भी भारी संख्या में हिसार पहुंचना है और प्रधानमंत्री का इस सौगात के लिए आभार प्रकट करना है। उन्होंने बताया कि देश के राजनीतिक इतिहास में कल 6 अप्रैल का दिन एक खास अहमियत रखता है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में इसी दिन हुई थी। भारतीय जनता पार्टी इस बार बूथ स्तर पर स्थापना दिवस मना रही है, जिसमें कार्यकर्त्ता को अपने घर पर पार्टी का झंडा लगाना है

कुरुक्षेत्र जिला अध्यक्ष स . तेजेंद्र सिंह गोल्डी को बधाई देते भाजपा नेता कृष्ण पिलनी।

कश्यप जयंती पर जितेंद्र टाया ने की शिरकत

■ गांव हजवाना में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

गांव हजवाना में महर्षि कश्यप युवा समिति द्वारा कश्यप जयंती का शुभ अवसर इस बार विशेष उत्साह और सामाजिक जागरूकता के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन कश्यप भवन में कि या गया, जहां समाज के सैकड़ों लोग एकत्रित हुए। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य जितेंद्र टाया ने भाग लिया और समारोह को गरिमा प्रदान की। समाज के लोगों ने जितेंद्र टाया का फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। जितेंद्र टाया ने महाराजा कश्यप के जीवन, उनके आदर्शों और उनके द्वारा स्थापित मूल्य आधारित समाज की कल्पना पर प्रकाश डाला। इस विशेष अवसर पर समाज की ओर से कश्यप भवन में एक अतिरिक्त कमरे के निर्माण की मांग भी जितेंद्र टाया के समक्ष रखी गई। समाज के लोग बालकिशन, सतपाल, रघुबीर, महाबीर, जयपाल, सोमाराम व विक्रम ने जितेंद्र टाया को बताया कि भवन में वर्तमान में सुविधाओं की कमी है, और नए निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस पर जितेंद्र टाया ने संवेदनशीलता दिखाते हुए समाज की मांग को तुरंत स्वीकार किया।

पूंडरी। कार्यक्रम के दौरान जिला पार्षद जितेंद्र टाया को स्मृति चिह्न भेंट करते कश्यप समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

सुरभि ने सर्वश्रेष्ठ राजनयिक का पुरस्कार जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय की पीएचडी स्कॉलर और आईटी पेशेवर सुरभि चहल ने 10-13 मार्च, 2025 को आयोजित एक प्रमुख राजनयिक सिमुलेशन, बेस्ट डिप्लोमैट्स यूएसए 2025 में सर्वश्रेष्ठ राजनयिक पुरस्कार जीतकर भारत को वैश्विक सुर्खियों में ला दिया है।

192 देशों के प्रतिनिधियों और गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और ऑक्सफैम जैसी दिग्गज कंपनियों को पछाड़ते हुए, सुरभि ने न्यूयॉर्क में बेस्ट डिप्लोमैट्स के महानिदेशक से शीर्ष सम्मान अर्जित किया। उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन एनआईआईएलएमयू के पीएचडी कार्यक्रम, मेंटरशिप और वैश्विक प्रदर्शन से प्रेरित—सतत विकास लक्ष्य 5 (एसडीजी 5): लैंगिक समानता के लिए उनके कूटनीतिक साहस और जुनून को उजागर करता है। यह कार्यक्रम, सिमुलेशन और वकालत का एक उच्च-दांव मिश्रण न्यूयॉर्क में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार राजदूत डॉ. मलिक और अन्य उल्लेखनीय यूएन वक्ताओं की अंतर्दृष्टि के साथ, साहसिक कार्रवाई के लिए मंच तैयार किया गया था।

सुरभि की शुरूआती पंक्ति ने जोरदार तरीके से कहाः लिंग आधारित हिंसा प्रगति को अवरुद्ध करती है।

पीएचडी स्कॉलर सुरभि चहल को सम्मानित करते अधिकारी

शतचंडी यज्ञ पाठ पूर्णाहुति के साथ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद के बाबा बहादुर बन मंदिर में पिछले सात दिनों से चल रहे शतचंडी यज्ञ पाठ का शनिवार को पूर्ण आहुति के साथ समापन हो गया। यज्ञ में नगर के सभी लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। मंदिर में कन्या पूजन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें साधु समाज से जुड़े संतों व ग्रामीणों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। महंत तेज गिरी जी ने बताया कि प्रथम नवरात्रे से मंदिर में 7 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा शत चंडी पाठ आरंभ किया गया था, जो आठ दिन तक निर्बाध रूप से चलते हुएआज संपन्न हो गयाइस दौरान आचार्य बृजभूषण हरित ने बताया कि पूरे आठ दिन तक मंदिर प्रांगण में नगरवासियों की श्रद्धा व आस्था के चलते पूजन कार्यक्रम करवाया गया व दुर्गा अष्टमी के उपलक्ष में हवन यज्ञ के साथ शत चंडी यज्ञ का भी समापन हो गया।

राजौंद। हवन यज्ञ में भाग लेते हुए आचार्य व अन्य।

तैयारी आगजनी की संभावित घटनाओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम

सीवन में अस्थायी फायर ब्रिगेड की व्यवस्था विधायक देवेंद्र हंस के प्रयासों से मिली राहत

■ डायल 112 से फायर ब्रिगेड की ले सकते हैं सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

नगर पालिका क्षेत्र सीवन में आगजनी की संभावित घटनाओं से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। हल्का गुहला विधायक देवेंद्र हंस के प्रयासों से अस्थायी फायर ब्रिगेड की व्यवस्था कर दी गई है, जो विशेष रूप से गेहूं के सीजन को ध्यान में रखते हुए की गई है। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी सीवन के स्वर्ग द्वार धर्मशाला में अस्थायी रूप से तैनात किया गया है। यह गाड़ी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए 24 घंटे तैयार रहेगी। किसी भी आपात कालीन स्थिति में नागरिक डायल 112 कर फायर ब्रिगेड की सहायता प्राप्त कर सकते हैं। विधायक देवेंद्र हंस ने बताया कि क्षेत्र में पूर्व में आगजनी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें किसानों व आम जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से पहले से ही सतर्कता बरती जा रही है। थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया। लोगों का कहना है कि सीवन में आगजनी की आशंका को देखते हुए विधायक के प्रयासों से अस्थायी फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गई है, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। समाजसेवी संदीप सैनी ने भी इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि विधायक देवेंद्र हंस ने समय रहते जो पहल की है, वह जनहित में एक मिसाल है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं गाँव-शहर की सुरक्षा के लिए अनिवार्य होनी चाहिए और मांग की कि इस अस्थायी व्यवस्था को भविष्य में स्थायी रूप दिया जाए।

सीवन में फायर ब्रिगेड के पास मौजुद विधायक देवेंद्र हंस व अन्य

जुलाना नपा चेयरमैन ने भांग के पौधे उखाड़ने के लिए चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे के फायर ब्रिगेड कार्यालय में भांग के काफी पौधे उगे हुए थे। सूचना पाकर नगरपालिका के चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा फायर ब्रिगेड कार्यालय में नपा के सफाईकर्मियों को लेकर पहुंचे। कर्मचारियों को सफाई करते देख डा संजय जांगड़ा खुद भांग के पौधों को उखाडने लगे।

उनके साथ फायर ब्रिगेड के कर्मचारी भी भांग को उखाडने में जुट गए और कुछ समय बाद कार्यालय परिसर को भांग के पौधों से मुक्त कर दिया। डा. संजय जांगड़ा ने कहा कि बढ़ते हुए नशे को रोकने के लिए हमें आगे आना होगा। सभी लोग इस अभियान में सहयोग दें। जहां भी भांग के पौधे दिखाई दें, उसे उखाड़ फैंके। नशा इंसान को खत्म ही नही करता बल्कि बच्चों के भविष्य को भी खराब कर देता है। प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान के साथ जुड़ कर अपने आसपास सफाई रखें ताकि बीमारियां अपने पैर ना पसार सकें। इस मौके पर संग्राम सिंह, सतबीर, नरेंद्र, विनोद आदि मौजूद रहे।

फायर स्टेशन परिसर में उगी भांग को उखाड़ते हुए नपा चेयरमैन डा . संजय जांगड़ा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

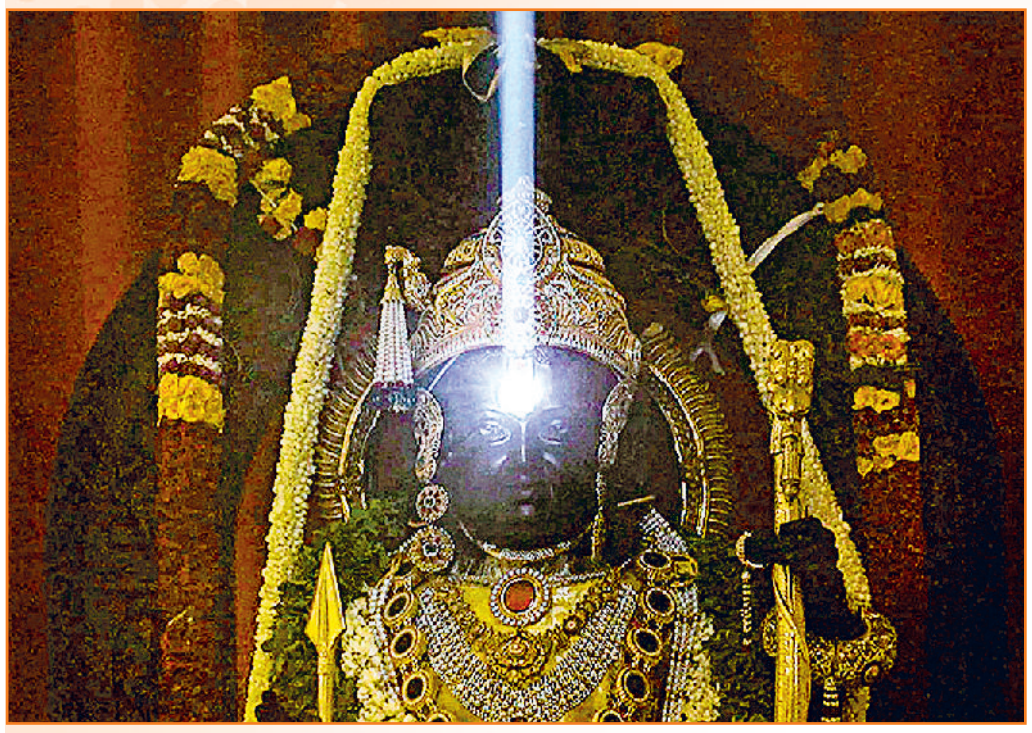

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

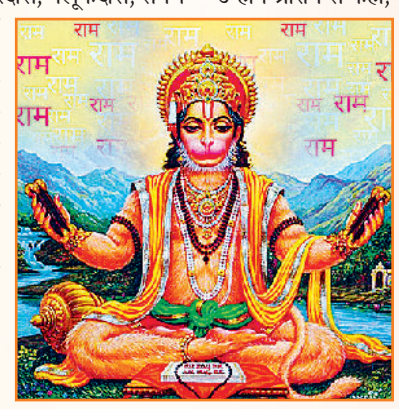

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
ठेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेषः हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित
हनुमान जी के अनूठे मंदिर

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

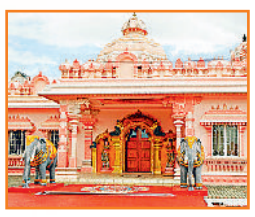

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

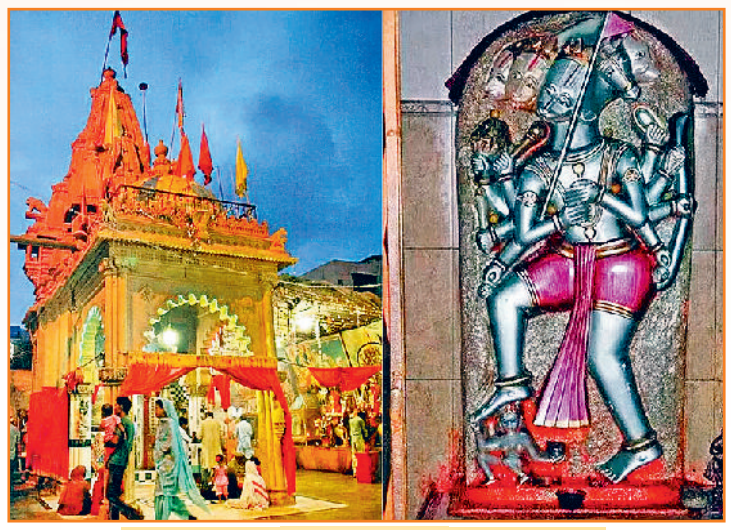

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

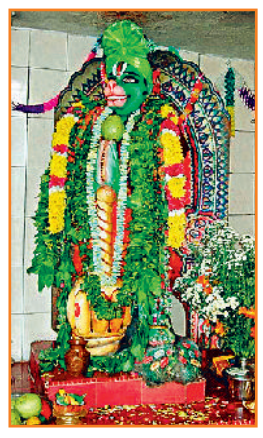

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें
कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुणः भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजनः रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधनः कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वासः जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासनः अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमताः कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारीः जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो
आप रहेंगे सोशली हेल्दी

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थः हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्वः सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षणः अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दीः सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।

- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।